

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

मणिपुर में नए सवेरे की ओर : प्रधानमंत्री मोदी ने शांति की अपील की, बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने पर जोर

Publisher

Published on 13 Sep 2025



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर की मौजूदा परिस्थितियों पर बोलते हुए राज्य में शांति और सौहार्द की अपील की है। हाल ही में मणिपुर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समय एक नए सवेरे की ओर बढ़ने का है, जहां शांति और स्थिरता के जरिए ही बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने राज्य की जनता से आग्रह किया कि वे मतभेदों और हिंसा को छोड़कर विकास और भाईचारे की राह अपनाएं।

मणिपुर पिछले कई महीनों से जातीय तनाव और हिंसक झड़पों की वजह से सुर्खियों में रहा है। इस अस्थिरता ने न केवल समाज की एकता को प्रभावित किया है, बल्कि शिक्षा और विकास पर भी नकारात्मक असर डाला है। खासतौर पर बच्चों और युवाओं की पढ़ाई और भविष्य इससे गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है।

प्रधानमंत्री ने इसी चिंता को रेखांकित करते हुए कहा कि “अगर हिंसा और तनाव जारी रहा तो सबसे ज्यादा नुकसान हमारे बच्चों और उनके सपनों का होगा।”

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कई महत्वपूर्ण बातें कहीं, जिनमें प्रमुख हैं:

- शांति ही प्रगति का मार्ग है :** उन्होंने कहा कि विकास और अवसर तभी संभव हैं जब समाज में शांति और स्थिरता बनी रहे।
- बच्चों का भविष्य सर्वोपरि :** मोदी ने साफ किया कि किसी भी समाज की असली ताकत उसके बच्चे होते हैं, और उनकी शिक्षा व सुरक्षा से बड़ा कोई एजेंडा नहीं हो सकता।
- हिंसा से सिर्फ नुकसान :** प्रधानमंत्री ने दोहराया कि हिंसा से न किसी का भला होता है और न ही स्थायी समाधान निकलता है।

4. **संवाद और सहयोग पर जोर** : उन्होंने स्थानीय समुदायों और संगठनों से कहा कि बातचीत और आपसी समझ ही समस्याओं का समाधान निकाल सकती है।

5. **विकास योजनाओं का वादा** : पीएम ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार मणिपुर में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को तेज़ी से लागू करेगी।

मणिपुर में जारी अस्थिरता से सबसे अधिक प्रभावित बच्चे और युवा हुए हैं। कई स्कूल और कॉलेज लंबे समय तक बंद रहे, जिससे शिक्षा बाधित हुई। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा, क्योंकि हिंसा और असुरक्षा का माहौल बच्चों की मनोस्थिति को प्रभावित करता है।

प्रधानमंत्री ने इन मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की बात कही और भरोसा दिलाया कि बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करना उनकी प्राथमिकता है।

मोदी ने कहा कि मणिपुर की जनता को खुद आगे आकर भाईचारे और सहयोग की मिसाल पेश करनी होगी। “राजनीति और सत्ता बदलती रहती है, लेकिन समाज की एकता ही स्थायी नींव होती है।” उन्होंने कहा कि राज्य के युवा यदि मिलकर सकारात्मक दिशा में काम करेंगे, तो मणिपुर जल्द ही विकास की राह पर लौट आएगा।

प्रधानमंत्री के इस संदेश पर विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दीं।

- **भाजपा नेताओं** ने इसे सही समय पर दिया गया महत्वपूर्ण संदेश बताया।
- **कांग्रेस और विपक्षी दलों** ने कहा कि केवल भाषण से काम नहीं चलेगा, बल्कि सरकार को जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे।
- **सामाजिक कार्यकर्ताओं** ने प्रधानमंत्री के बच्चों पर केंद्रित संदेश को सराहनीय बताया और कहा कि अब इन विचारों को लागू करने की ज़रूरत है।

प्रधानमंत्री मोदी के संदेश से यह स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार मणिपुर में शांति और विकास दोनों को साथ लेकर चलना चाहती है। शिक्षा और रोजगार की योजनाओं पर जोर होगा। राज्य के युवाओं को तकनीकी और उद्यमिता में अवसर दिए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और बुनियादी ढांचे के निर्माण पर काम होगा।

मणिपुर आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वहां शांति और सहयोग की सबसे ज्यादा जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। यदि समाज और सरकार दोनों मिलकर बच्चों के भविष्य को केंद्र में रखकर काम करें, तो मणिपुर सचमुच एक नई सुबह की ओर बढ़ सकता है।